दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, सोमवार 20 अप्रैल 2020 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-02, अंक- 200

महत्वपूर्ण एवं खास

दोषी पाये गए तो भुगतना होगा अंजाम

वाशिंगटन। चीन से शुरू हुए कोरोना वायरस ने दुनिया में तबाही मचा दी। इस वायरस की चपेट में अब तक 23 लाख से ज्यादा लोग आ चुके है तो वही डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों की मौत भी हो गई। इस वायरस का सबसे ज्यादा असर अमेरिका में देखने को मिल रहा है। जिस वजह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे कोरोना वायरस के लिए जिम्मेदार हैं तो उन्हें इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत में चीन पर एक बार फिर से हमला बोला। साथ ही उन्होंने अमेरिका में उठाए जा रहे तमाम कदमों की भी तारीफ की। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस के लिए चीन के रहस्य अंदाज और तथ्यों को छुपाने पर नाराजगी जताई है।

भारतीय नौसेना का अस्पताल जहाज, पतंजलि, कोरोना की लड़ाई में सबसे आगे

नईदिल्ली (आरएनएस)। करवर स्थित भारतीय नौसेना अस्पताल, पतंजलि, उत्तरी कन्नड़ जिले के मरीजों का इलाज करके कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे है। 25 मार्च 2020 को राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद, कारवार जिला प्रशासन के अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए, आईएनएचएस पतंजलि ने खुद को 24 घंटों के भीतर ही सभी प्रकार से तैयार कर लिया था, जिससे 28 मार्च 2020 को कोविड-19 के सकारात्मक रोगियों के पहले समूह का समुचित ईलाज किया जा सके। तीन डॉक्टरों, नौ चिकित्सा कर्मियों के साथ-साथ नौ सहायक कर्मचारियों की एक टीम ने, अब तक भर्ती नौ कोविड-19 के सकारात्मक रोगियों के लिए 24×7 देखभाल सुनिश्चित की है। अस्पताल में भर्ती नौ मरीजों में से अब तक आठ मरीज ठीक हो चुके हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पिछले कुछ दिनों में इन आठ मरीजों को अस्पताल से छुट्टी मिल जाने के साथ ही, अस्पताल में अब केवल एक रोगी बच गया है जो कि वहां पर 16 अप्रैल से भर्ती है और इलाज के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिय दे रहा है। इस अतिरिक्त जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए, आईएनएस पतंजलि ने अस्पताल पर बड़ी संख्या में निर्भर सेवाकर्मियों और उनके परिवारों की नियमित चिकित्सा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है।

लॉकडाउन के दौरान 16.01 करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में 36,659 करोड़ से अधिक की राशि हस्तांतरित

नईदिल्ली (आरएनएस)। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग के लेखा महानियंत्रक (सीजीए) कार्यालय द्वारा कोविड-2019 लॉकडाउन के दौरान 16.01 करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) का उपयोग करके 36,659 करोड़ रुपये से भी अधिक की राशि हस्तांतरित की गई है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) यह सुनिश्चित करता है कि नकद लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में जमा हो जाए। इससे धनराशि को अन्यत्र भेजने (लीकेज) से मुक्ति मिलती है और दक्षता बढ़ती है। केंद्रीय योजनाओं (सीएस)/केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस)/सीएएसपी योजनाओं के तहत डीबीटी भुगतान करने के लिए सुदृढ़ डिजिटल भुगतान प्रौद्योगिकी 'पीएफएमएस (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली)' का उपयोग करके उपर्युक्त नकद राशि हस्तांतरित की गई है।

स्पेन में लॉकडाउन 9 मई तक बढ़ा

मैड्रिड। कोरोना वायरस का प्रकोप पूरी दुनिया में जारी है। स्पेन कोरोना की सबसे ज्यादा त्रासदी झेल रहे देशों में से एक है। इसी को देखते हुए स्पेन में कोरोना वायरस लॉकडाउन को 9 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने इसकी घोषणा की। स्पेन में कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की संख्या शनिवार को 20 हजार पहुंच गई, जबकि संक्रमण के मामले 1,90,000 से अधिक हो गये। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि महामारी के कारण अब तक 20 हजार 43 लोगों की मौत हो गई है और पिछले 24 घंटे में स्पेन में 565 लोग मारे गए हैं। यहां कोरोना संक्रमण के लगभग 4,500 नए मामले सामने आए हैं।

विदेशों में फंसे छात्रों की वापसी के लिए विशेष अभियान की तैयारी

» रोजगार गंवाने वाले और घूमने गए लोगों के फंसे होने पर भी सरकार की नजर

» दूतावासों-उच्चायोगों के जरिए तैयार हो रही सूची

» सेना के डाक्टरों के इस्तेमाल पर भी हुआ विमर्श

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना के कारण विदेशों में फंसे भारतीयों की स्वदेश वापसी केलिए सरकार बड़ा अभियान चलाने की तैयारी में है। सरकार दूतावासों और उच्चायोगों के जरिए दूसरे देशों में फंसे छात्रों, रोजगार गंवाने वालों और पर्यटन वीजा पर दूसरे देशों में जा कर फंस गए लोगों की सूची तैयार करा रही है। इनके स्वदेश वापसी के लिए सरकार में शीर्ष स्तर पर लगातार माथापच्ची हो रही है।

इस क्रम में सेना के डाक्टरों की भी मदद लेने पर मंथन हुआ है। इसके अलावा एयर इंडिया को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

दरअसल कोरोना के संक्रमण का दौर शुरू होने के बाद आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा, सिंगापुर, रूस, जर्मनी, अमेरिका, मलेशिया, फीलीपिंस में जैसे कई देशों में हजारों छात्र फंसे हुए हैं। कोरोना के कारण इन देशों में लॉकडाउन है और शिक्षण संस्थाओं के साथ साथ हॉस्टल भी बंद हैं। इसके अलावा करीब 5000 ऐसे लोग हैं जो घूमने या अपने परिजनों से मिलने विदेश गए थे, मगर इसी बीच हवाई सेवा बंद होने के कारण फंस गए। जबकि खाड़ी सहित कई देशों में हजारों की संख्या में लोग रोजगार गंवाने के कारण संकट में हैं।

सूत्रों ने बताया कि फिलहाल विभिन्न देशों में कार्यरत दूतावास और उच्चायोग ऐसे लोगों की सूची तैयार कर रहा है। अब तक की सूचना के मुताबिक करीब 35 हजार ऐसे लोग हैं जिन्हें तत्काल मदद की जरूरत है। यही कारण है कि सरकार में उच्च स्तर पर इनकी स्वदेश वापसी का रोडमैप तैयार करने पर लगातार मंथन चल रहा है। इसी क्रम में दो दिन पूर्व देश के डाक्टरों के कोरोना के मोर्चे पर व्यस्त होने के कारण ऐसे लोगों की स्वदेश वापसी के लिए सेना के डाक्टरों की मदद लेने पर भी चर्चा हुई।

कोरोना संक्रमितों के लिए लंबा होगा इंतजार- फिलहाल 55 देशों में 3336 भारतीय कोरोना पॉजिटिव हैं। अकेले खाड़ी देशों में यह संख्या 2000 है। कोरोना पॉजिटिव लोगों को स्वदेश लाने की फिलहाल संभावना नहीं है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य मुश्किल खाड़ी सहित कई देशों में कोरोना के कारण हजारों की संख्या में लोगों के बेरोजगार होने का है। बेरोजगार हुए लोग भी स्वदेश वापसी के लिए दूतावासों-उच्चायोगों से लगातार मदद मांग रहे हैं।

छात्रों को मिल सकती है वरीयता- फिलहाल सरकार स्वदेश वापसी के लिए विदेशों में अध्ययनरत छात्रों को वरीयता देने का मन बना रही है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए विदेशों में फंसे छात्रों की सूची करीब करीब तैयार है। विदेश मंत्रालय के अधिकारी लगातार एयर इंडिया के संपर्क में हैं।

भारतीय रेलवे चिकित्सा वस्तुओं का निर्बाध परिवहन कर रहा

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 के कारण हुए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान, भारतीय रेलवे द्वारा प्राथमिकता के आधार पर चिकित्सा वस्तुओं का निर्बाध परिवहन सुनिश्चित किया जा रहा है। देश में कोरोनावायरस की चुनौतियों का सामना करने और प्रतिकूल प्रभावों का प्रबंधन करने में सरकार के प्रयासों को मजबूती प्रदान करने के लिए, भारतीय रेलवे द्वारा समय-सारणी वाली अपनी पार्सल सेवाओं के माध्यम से दवाओं, मास्क, अस्पताल की वस्तुओं और चिकित्सा के अन्य उपयोगी वस्तुओं का लगातार वितरण किया जा रहा है।

भारतीय रेलवे संकट की इस घड़ी में मानव जीवन को छू रही है। हाल ही में एक ऑटिस्टिक बच्चे के माता-पिता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मदद के लिए आग्रह किया तो उस बच्चे के लिए ऊंटनी के मलाईरहित दूध को अजमेर से मुंबई पार्सल ट्रेन के जरिए पहुंचाया गया। इसी प्रकार अजमेर में एक अन्य ऑटिस्टिक बच्चा, जो गंभीर बीमारियों से जूझ रहा था, उसके दवाइयों का स्टॉक खत्म हो गया तो उसके रिश्तेदारों ने रेलवे अधिकारियों से संपर्क किया और अहमदाबाद से अजमेर के लिए पार्सल ट्रेन के माध्यम से दवाइयां पहुंचायी गई।

भारतीय डाक ने ऊना में कैंसर पीड़ित बच्ची के लिए तत्काल दवाएं पहुंचाईं

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय डाक ने हिमाचल प्रदेश के ऊना में कैंसर से पीड़ित एक 8 साल की बच्ची के लिए दवाएं पहुंचाई। ऊना में उसकी कई नियमित दवाओं को खरीदने में कठिनाई होती है और वह दिल्ली से कूरियर की सहायता से अपनी दवाएं मंगवाती है। शालिनी के परिवार ने दिल्ली में अपने एक मित्र से संपर्क किया और उनसे दिल्ली से ऊना दवाओं को भेजने में सहायता करने का आग्रह किया। लॉकडाउन के कारण संभार तंत्र की बाधाओं को देखते हुए उनके परिवार के मित्र ने केंद्रीय संचार,विधि एवं न्याय तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद से सहायता का अनुरोध किया।

कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए हाल में अचानक किए गए लॉकडाउन के कारण शालिनी के दवाओं का स्टॉक खत्म हो रहा था और उसके पास केवल 19 अप्रैल तक की ही दवाएं बची थीं। मंत्री श्री रवि शंकर प्रसाद ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऊना में शालिनी को 19 अप्रैल से पहले दवाएं मिल जाएं, त्वरित रूप से भारतीय डाक को सभी आवश्यक संभार तंत्र सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

भारतीय डाक के दिल्ली,हरियाणा,पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश सर्कलों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कि दवाएं समय पर पहुंच जाएं एक बहुत सुनियोजित प्रयास किया। लॉकडाउन की बाधाओं के कारण, भारतीय डाक के पंजाब सर्किल ने पोस्टल मोटर वाहन के लिए विशेष प्रबंध किया जो ऊना को छोड़ते हुए 19 अप्रैल की सुबह सीधे शालिनी के घर पहंच गया।भारतीय डाक का एक डाकिया दवाओं को देने के लिए 19 अप्रैल को दोपहर 12 बजे से पहले शालिनी के घर पहुंच गया।

लाइफलाइन की उड़ानों ने 2,87,061 किलोमीटर की दूरी तय की

» कोरोना से जंग

नईदिल्ली (आरएनएस)। एयर इंडिया, एलायंस एयर, आईएएफ और निजी वाहकों द्वारा लाइफलाइन उड़ान के तहत 288 उड़ानें संचालित की गई हैं। इनमें से 180 उड़ानें एयर इंडिया और एलायंस एयर द्वारा संचालित की गई हैं। अब तक ले जाया गया कार्गो लगभग 479.55 टन का है। लाइफलाइन उड़ान की उड़ानों द्वारा अब तक 2,87,061 किमी से अधिक की हवाई दूरी तय की जा चुकी है। कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई का समर्थन करने के लिए देश के दूरदराज के हिस्सों में आवश्यक चिकित्सा कार्गो के परिवहन के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा %लाइफलाइन उड़ान' के तहत उड़ानें संचालित की जा रही हैं।

पवन हंस हेलीकॉप्टरों ने 18 अप्रैल 2020 तक 6265 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 1.86 टन कार्गो का परिवहन किया है। पवन हंस लिमिटेड सहित अन्य हेलीकॉप्टर सेवाएं जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, द्वीप समूह और पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण चिकित्सा कार्गो और रोगियों को परिवहन कर रही हैं। घरेलू लाइफलाइन उड़ान द्वारा ढोए गए कार्गो में कोविड-19 संबंधित अभिकर्मक, एंजाइम, चिकित्सा उपकरण, परीक्षण किट, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई), मास्क, दस्ताने, एचएलएल एवं आईएमसीआर की अन्य सामग्री और राज्य / केन्द्र शासित प्रदेश सरकारों का जरूरी कार्गो व डाक पैकेट आदि शामिल हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र, द्वीप क्षेत्रों और पहाड़ी राज्यों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। एयर इंडिया और आईएएफ ने मुख्य रूप से जम्मू एवं कश्मीर, लद्दाख, पूर्वोत्तर और अन्य द्वीप क्षेत्रों के लिए ये सहयोग किया है। घरेलू कार्गो ऑपरेटर स्पाइसजेट, ब्लू डार्ट और इंडिगो वाणिज्यिक आधार पर कार्गो उड़ानें संचालित कर रहे हैं। स्पाइसजेट ने 24 मार्च से 18 अप्रैल 2020 के दौरान 410 कार्गो उड़ानों का संचालन किया, जिसमें 6,00,261 किमी की दूरी तय की गई और 3270 टन कार्गो को ले जाया गया। इनमें से 128 अंतर्राष्ट्रीय कार्गो उड़ानें थीं। ब्लू डार्ट ने 25 मार्च से 18 अप्रैल 2020 के दौरान 1,39,179 किमी की दूरी को कवर करते हुए 141 घरेलू कार्गो उड़ानों का संचालन किया और 2241 टन कार्गो का परिवहन किया। इंडिगो ने 3-18 अप्रैल 2020 के दौरान 31 कार्गो उड़ानों का संचालन किया है, जिन्होंने 32,290 किमी की दूरी तय की और 48 टन माल ढोया। इसमें सरकार के लिए मुफ्त में दी जाने वाली चिकित्सा आपूर्ति भी शामिल है।दक्षिण एशिया के भीतर, एयर इंडिया ने 7 अप्रैल 2020 को करीब 9 टन और 8 अप्रैल 2020 को 4 टन की आपूर्ति कोलंबो में की।

सब्जी बेचने वाला निकला कोरोना पॉजिटिव, दहशत में इलाका, 2000 लोग क्वारंटीन

आगरा (आरएनएस)। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए देखभर में सख्ती बरती जा रही है। यहां तक कि देशभर में लॉकडाउन की अवधि को भी बढ़ा दिया गया है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के आगरा जिले एक चौकाने वाली खबर सामने आ रही है।

यहां एक सब्जी बेचने वाला कोरोना पाज़िटिव निकला, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास की बस्ती में इसे लेकर दहशत फैल गई है। यह खबर मिलने के बाद तकरीबन दो हजार लोगों ने खुद को चारंटीन कर लिया है। यह मामला आगरा के थाना

हरीपर्वत के फ्रीगंज क्षेत्र के चिम्मन लाल बाड़ा का है।

शुक्रवार रात केजीएमयू से आई 24 संक्रमितों की रिपोर्ट में यह सब्जी वाला भी शामिल है। इसके बाद यह क्षेत्र हॉटस्पॉट घोषित कर सील कर दिया गया है। स्वास्थ विभाग की टीम सब्जी विक्रेता के संपर्क में आए लोगों का पता लगा रही है। हरीपर्वत थाना के प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल ने बताया कि फ्रीगंज रोड एरिया में पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है।

बता दें कि संक्रमित के परिजन ने बताया कि उसने लॉकडाउन में ही सब्जी बेचना शुरू किया था। इससे पहले वह ऑटो चलाता था। आमदनी बंद होने पर सब्जी और फल बेचने लगा। सब्जियां सिकंदरा मंडी से लाता था। पांच दिन पहले उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद टेस्ट कराने के लिए वह खुद ही जिला अस्पताल गया था। वहां उसे भर्ती कर लिया गया।

बताते चलें कि शनिवार को आगरा में कोरोना वायरस से संक्रमण के 24 नये मामले आने के साथ जिले में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 196 हो गई है। आगरा में कुल पांच लोगों की कोरोना वायरस के संक्रमण से मौत हुई है जबकि 13 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी है। जिले में संक्रमित लोगों में 73 का संबंध दिल्ली के निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम से है।

प्रवासी कामगारों को बाहर आवाजाही की इजाजत नहीं

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोविड-19 वायरस फैलने के कारण उद्योग, कृषि, निर्माण और अन्य क्षेत्रों में कार्यरत कामगार अपने कार्यस्थलों से निकल चुके हैं और राज्यों/संघशासित प्रदेशों द्वारा संचालित किए जा रहे राहत/आश्रय शिविरों में ठहरे हुए हैं। चूंकि 20 अप्रैल, 2020 से प्रभावी होने वाले समेकित संशोधित दिशानिर्देशों में कंटेनमेंट जोन्स के बाहर अतिरिक्त नई गतिविधियों की अनुमति दी गई है, इसलिए इन कामगारों को औद्योगिक, विनिर्माण, निर्माण, खेती-बाड़ी और मनरेगा कार्यों में शामिल किया जा सकता है।

कोरोना से 45 दिन के मासूम ने तोड़ा दम

नईदिल्ली (आरएनएस)। कोरोना वायरस के संक्रमण से शनिवार को दिल्ली के सबसे छोटे मरीज 45 दिन के मासूम की मौत हो गई। वह दिल्ली स्थित लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज से जुड़े कलावती सरन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती था। एक दिन पहले ही उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मासूम के पिता की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। उधर, एम्स में भी एक नर्सिंग अधिकारी और उनका 20 माह का बच्चा संक्रमित पाया गया है।

निजामुद्दीन और दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के बाद कलावती शरन अस्पताल तीसरा सबसे बड़ा हॉटस्पॉट के रुप में उभर कर सामने आया है। अब तक यहां दो डॉक्टर सहित 11 लोग संक्रमित हो चुके हैं जिनमें दो मासूम भी शामिल हैं। इन्हीं में से एक डेढ़ माह के शिशु ने दम तोड़ दिया। बाल रोग विभाग के आईसीयू में सात शिशु वेंटिलेटर पर हैं। इन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार शनिवार को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती दो शिशु कोरोना संक्रमित मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में इन बच्चों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट कराने के प्रयास शुरू हो चुके थे। इसी बीच रात को एक शिशु ने दम तोड़ दिया। कुछ दिन पहले अस्पताल में एक महिला डॉक्टर कोरोना संक्रमित मिली थी।

दस माह के बच्चे में कोरोना संक्रमण की पुष्टि

» पिता के अलावा 8 स्वास्थ्यकर्मी भी पॉजिटिव

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। इसकी चपेट में अब स्वास्थ्य कर्मी भी आना शुरू हो गए हैं। दिल्ली के कलावती अस्पताल में रविवार सुबह 10 माह के बच्चे में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। बच्चे को अस्पताल लेकर आए पिता को भी संक्रमित पाया गया है, वहीं उसकी मां की कोरोना जांच रिपोर्ट अभी नहीं आई है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि बच्चे को सांस की समस्या होने पर उसके पिता अस्पताल के इमरजेंसी वॉर्ड में लेकर आए थे। वहीं अस्पताल को सैनिटाइज करने का काम चल रहा है। बता दें कि राजधानी में अब तक करीब 1900 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें 43 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा आज ही अस्पताल के दो डॉक्टरों और छह नर्सों में भी कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल सभी आठ स्वास्थ्य कर्मचारियों को क्वारंटीन कर दिया है। उनके संपर्कों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रबंधन फिलहाल अस्पताल को कंटेनमेंट जोन में तब्दील करने को लेकर विचार कर रहा है। एक ही अस्पताल में एक साथ इतने लोगों के संक्रमित होने से खलबली मच गई है। मालूम हो कि शनिवार को इसी अस्पताल में डेढ़ माह का एक मासूम कोरोना से जंग हार गया था। बच्चे ने कलावती शरन अस्पताल के आईसीयू में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वह दिल्ली में अब तक सबसे कम आयु का संक्रमित शिशु था। बता दें कि निजामुद्दीन और दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान के बाद कलावती शरन अस्पताल तीसरे सबसे बड़े हॉटस्पॉट के रुप में उभर कर सामने आया है।

फिलहाल नहीं शुरू होगी रेल-हवाई यातायात, जीओएम ने पीएमओ को सौंपी रिपोर्ट

कहा-स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह के बाद ही उठाएं कदम

नई दिल्ली (आरएनएस)। तीन मई को खत्म हो रहे राष्ट्रीय लॉकडाउन के बाद भी देश में रेल और हवाई यातायात सेवा बहाल होने की उम्मीद कम है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई में गठित मंत्रियों के समूह (जीओएम) ने लॉकडाउन खत्म होते ही किसी भी प्रकार की यातायात सेवा शुरू नहीं करने की सलाह दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय को सौंपी रिपोर्ट में कहा गया है कि इस

आशय का फैसला लेने से पूर्व सरकार को स्वास्थ्य मंत्रालय से सलाह लेनी चाहिए। गौरतलब है कि सरकार ने पहले ही रेलवे और विमानन कंपनियों को तीन मई के बाद टिकटों की बुकिंग नहीं करने का निर्देश दिया है।

सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में कहा गया है कि महानगरों में बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूरों के फंसे होने और दूसरे राज्यों के लोगों के अपने अपने राज्य पहुंचने की इच्छा है। ऐसे में यातायात सेवा बहाल किए जाने की स्थिति में सोशल डिस्टेंडिंग का पालन संभव नहीं होगा। इसके अलावा सेवा बहाल होने की स्थिति में रेलवे स्टेशनों-बस अड्डों पर भारी भीड़ इकट्ठा होने का खतरा है। जीओएम ने यातायात सेवा बहाल करने के मामले में स्वास्थ्य मंत्रालय से विस्तृत अध्ययन कराने और मंत्रालय की राय लेने का भी सुझाव दिया है। दरअसल सरकार की योजना जनजीवन को धीरे धीरे पटरी पर लाने की है। इसी क्रम में सोमवार से सरकार ने कई मोर्चे पर लोगों को राहत दी है। कई दफ्तरों को खोलने, ऑनलाइन जरूरी सामान मंगाने, कृषि-बागवानी गतिविधियों को शुरू करने, मछली पकडने, निर्माण कार्य शुरू करने की कुछ शर्तों के साथ छूट देने की घोषणा की है।